Living the LOTUS
Buddhism in Everyday Life
4
2015
VOL. 115

FOUNDER'S ESSAY

अपने कर्तव्य का सच्चाई से निर्वाह करो

अप्रील 8 को हमलोग बुद्ध का जन्मोत्सव मनाते हैं जिसे "हना मात्सुरी" कहते हैं। ऐसा कहा जाता है कि जन्म लेते ही बुद्ध ने अपने दाहिने हाथ की अँगुली को देवलोक की ओर उठाकर एवं बायें हाथ को पृथ्वी की ओर करके उद्घोष किया- केवल मैं ही देवलोक एवं पृथ्वी पर प्रतिष्ठित हूँ।

बुद्ध के शब्द एवं उनका अवतरण लोक में अविस्मरणीय है। इसका एक विशेष अर्थ हो सकता है कि वे एक विशेष कार्य के निर्वहन के निमित्त लोक में उत्पन्न हुए थे।

हमसब में से प्रत्येक के सम्बन्ध भी यह सत्य है। अप्रील जापान में युवाओं के लिए एक नये जीवन के प्रारंभ का महीना है। उनके सामने नयी संभावनाओं का सामना करने का अवसर आता है। मैं आशा करता हूँ कि वे अपने होने के गौरव को अन्तःकरण में बैठा लेंगे।

युवा अवस्था में हमारी इच्छा रहती है कि हमारे आसपास के लोग हमें पसंद करें। परन्तु कभी हमारे अपने आचार व्यवहार के कारण हमें लोग नापसंद करने लगते हैं। कहा जाता है कि अपने कार्यस्थल में वैसे लोगों को पसंद नहीं करते हैं जो चापलूसी कर दूसरों का दिल जीतने की कोशिश में रहते हैं, जो जिद्दी स्वभाव के हैं और जो अँगुली उठाने पर क्रोध में आग बबूला हो जाते हैं।

विशेष कर ऐसे लोगों को स्वयं पर विश्वास नहीं होता है। अपना बचाव करना ही उनका प्रयत्न होता है। यह आवश्यक है कि लोगों में विश्वास होना चाहिये कि यदि वे अपने कर्तव्यों का सच्चाई से निर्वाह करते हैं ईश्वर एवं बुद्ध उनका संरक्षण करते हैं। मैं पूर्ण विश्वास से कहता हूँ कि विश्वास का अतुलनीय महत्त्व है।

द्वारा-काइसोज़ुइकन-८, कोसेई प्रसारण क०,पृ 230-31

Living the Lotus
Vol. 115 (April 2015)

Published by Rissho Kosei-kai International,
Fumonkan, 2-6-1 Wada,
Suginami-ku, Tokyo, 166-8537 Japan
TEL: +81-3-5341-1124
FAX: +81-3-5341-1224
Email: shanzai.rk-international@kosei-kai.or.jp
Senior Editor: Shoko Mizutani
Copy Editor: Parmita Shekhar
Editor: Etsuko Nakamura
Editorial Staff of RK International

रिश्शो कोसेईकाई गृहस्थों की संस्था है जिसका पवित्र ग्रन्थ सद्धर्म पुण्डरीक सूत्र एवं अन्य दो लघु सूत्रों का संकलन है। इस संस्था को संस्थापक निक्क्यो निवानो एवं सह-संस्थापक म्योको नागानुमा ने सन् १९३८ ई० में स्थापित किया था। यह उन साधारण स्त्रियों एवं पुरुषों की संस्था है जिन्हें बुद्ध में श्रद्धाविश्वास है तथा जो बुद्ध के उपदेशों के अनुसार चलते हुए अपने आध्यत्मिक जीवन को समृद्ध बनाते हैं।
प्रेसिडेण्ट का दिशानिर्देश निचिको निवानो, के अन्तर्गत हम देश एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तरों पर अन्य सस्थाओं के साथ मिलकर शान्ति एव कल्याण के लिये तत्पर होकर परोपकार के कार्य में सलग्न हैं।

"लिविंग द लोटस्: बुद्धिज्म इन एवरीडे लाइफ" का उद्देश्य यह दर्शाना है कि जैसे सरोवर के कीचड़ से निकलकर कमल खिलता है वैसे ही पुण्डरीक सूत्र की शिक्षा का दैनिक जीवन में अनुशरण के प्रयास से हमारा जीवन समृद्ध बनता है, हमारा जीना सार्थक होता है। इसका संस्करण के माध्यम से दुनियाँ में लोगों के दैनिक जीवन में बौद्धधर्म की शिक्षा को सरल बोधगम्य बनाना है।

अज्ञानी अनुभवहीन होने का बोध

निचिको निवनो
प्रेसिडेण्ट, रिश्शो कोसेई काई

विकास का मार्ग

जब हम बुद्ध के में विषय बोलते हैं हम शाक्यमुनि की बात करते हैं।

जिस व्यक्ति के ऊपर तुम विश्वास करते हो जब वह कहता है कि "बुद्ध मेढ़क हैं या केंचुआ हैं," तो तुम्हारी क्या प्रतिक्रिया होगी ? इस संबन्ध जेन आचार्य दोगेन (१२००-१२५९) की शिक्षा है कि "विश्वास करो कि मेढ़क हैं या केंचुआ हैं, अपने आदतन सोच को भूल जाओ।"

हम मानते हैं कि हम अपने संसार के विषय में बहुत कुछ जानते हैं। परन्तु हम संसार की वस्तुओं के विषय में जो कुछ जानते है वह इस संसार का एकांश है, संसार की कोई सीमा रेखा नहीं है। वस्तुतः कोई नहीं जानता उन वस्तुओं को जिनके संबन्ध में खोज नहीं हुई है। जो हम जानते हैं वह इस असीमित विश्व के विस्तार का न्यूनतम अंश है।

इसका अर्थ है, यदि हम अपने पूर्वावधारित रुढ़िगत विचारों से बंधे हैं तो हम सत्य को नहीं देख सकते हैं, क्या महत्त्वपूर्ण है इसकी कल्पना नहीं कर सकते हैं। जैसाकि दोगेन ने अपनी देशना में स्पष्ट किया है, हम कह सकते हैं कि हम अबतक अल्पज्ञानी अनुभवहीन हैं।

अमितार्थसूत्र की एक गाथा के अनुसार "यह सूत्र अज्ञानी को प्रबुद्ध ज्ञान की ओर ले जाता है"। यहाँ अज्ञानी से तात्पर्य वैसे प्राणियों से है जो पूर्वावधारित विचारों एवं कामनाओं में आबद्ध हैं, क्योंकि वे अल्पज्ञानी अनुभवहीन हैं। यदि हम स्वयं में प्रबुद्ध ज्ञान की ज्योति जलाते हैं तो हमारे सामने असंख्य संभावनाओं का द्वार खुल जाता है।

जब हमें बोध हो जाता है कि हम अबतक अल्पज्ञानी अनुभवहीन हैं सारी वस्तुएँ हमें स्वयं को विकसित करने का अवसर देती हैं। हम अपने विकास की कली को खिलने के पूर्व ही कुण्ठित कर देते हैं क्योंकि हम मानकर दंभ से बोलते हैं कि हम बहुत कुछ जानते हैं।

ऐसा नहीं करने के लिए प्रबुद्ध ज्ञान की आवश्यकता है जिसका बोध मानव प्राणी में सहजात है और जो हमें जीवित रखता है। जब हम विनीत एवं खुले दिल दिमाग का बन जाते हैं सम्पूर्ण संभावनाओं का द्वार खुल जाता है।

सुखी जीवन का आधार स्तम्भ

जापान में जोदो सिन (सुखावती) सम्प्रदाय के संस्थापक शिनरान (११७३-१२६२) ने स्वयं को महामूर्ख कहा था । जेन आचार्य रियोकान ने स्वयं को महा अज्ञानी कहा था । ऐसे बहुचर्चित भिक्षुओं की संख्या कम नहीं है जिन्होंने स्वयं की ओर इंगित कर कहा था- "मैं अज्ञानी हूँ" । बराबर अपने आप से ऐसा कहकर कि "मैं अबतक अल्पज्ञानी अनुभवहीन हूँ" वे अपने हृदय एवं मन पर नियंत्रण रख रहे थे, जिसके अभाव में प्राणी अल्पकालिक लाभ के हेतु अहंकार एवं कामनाओं के वशीभूत रहता है । धर्म में श्रद्धाविश्वास के संबन्ध हमें अपने अन्तःकरण में झांकने की आवश्यकता है । जब हम धर्म के पालन की गहराई में पैठते हैं हमारे समक्ष बहुत सारे प्रश्न उभर कर आते हैं जिनके संबन्ध कुछ जानकरी नहीं होती है । अतः धर्म के क्षेत्र में भी हम अनुभव करते है कि हमें निरन्तर अध्ययन करने और सीखने की आवश्यकता है ।

प्रथमतः यह अनुभव कि हमारा ज्ञान अल्प है अनुभव में भी परिपक्व नहीं हैं एक नकारात्मक सोच है परन्तु वास्तव में यह कारगर महत्त्वपूर्ण है । यह एक ग़ोत-तख्ता है जहाँ से हम स्व के उत्तरोत्तर विकाश एवं परिपक्वता की ओर ऊँची छलांग लेते हैं । इसके अतिरिक्त ऐसा बोध एवं ऐसी चेतना कि हम जीने के लिए बने हैं, हमें अन्य के प्रति विनीत बनाता है, उनके प्रति अधिक से अधिक सौहार्द्यपूर्ण बनाता है । दूसरों के साथ तालमेल के साथ चलना ही सुखी जीवन का आधार स्तम्भ है ।

जापान में तेन दाई (पुण्डरीक) सम्प्रदाय के संस्थापक आचार्य साईचो (७६७-८२२) ने युवावस्था में लिखा था- मैं अज्ञानियों में सबसे बड़ा अज्ञानी हूँ । इस बोध से साईचो ने अपनी महत्वाकांक्षा की ऐसी रूपरेखा तैयार की- मैं बुद्ध को सर्म्पित हूँ । इससे उन्हें सम्बोधि की कामना एवं मन की शान्ति मिली । पुनः उन्हें हुआ कि मैं अकेले ही इसका आस्वाद नहीं लूँगा । मैं इस लोक के सभी प्राणियों के साथ सम्यक् सम्बोधि प्राप्त करुँगा तथा इस लोक के समस्त प्राणियों में प्रत्येक के साथ सम्यक् सम्बोधि प्राप्ति के रस का आनन्द लूँगा ।

यह विचार "अपने को भूल जाओ, दूसरों का कल्याण करो" नाम से प्रसिद्ध देशना में सहजभाव से व्यक्त किया गया है ।

संभवतः कहें कि हम सब अल्पज्ञानी अनुभव विहीन हैं, इस बोध से हमें जीवन में प्रचुर अनुभव प्राप्त हो सकेगा । जापानी लेखक एवं तंका कवि कानोको ओकामोतो (१८८९-१९३९) ने उक्त कविता में 'चेरी के खिलने के मौसम में इसे देखने का आनन्द लेना, जब जापान में बुद्ध का जन्मोत्सव मनाते है', जो लिखा है वह यहाँ पूर्ण युक्तिसंगत बैठता है:

चेरी के फूल के समान
जीवन को सम्पूर्णता में जीना
मैं अपने जीवन को दाव पर रखता
उसको देखकर ।

यहाँ 'हम जीवन को सम्पूर्णता में जीते हैं' का आशय है अपने अज्ञान के बोध के साथ चेरी के खिलने के समान हम खिलते हैं ।

From *Kosei*, April 2015.

Living the LOTUS

आपके विचार प्रार्थनीय है !

न्यूज लेटर के “पुण्डरीक को जीना: दैनिक जीवन में बौद्धधर्म” पर अपने विचार भेजने के लिए हमारा आपसे सादर आग्रह है। अपना विचार इस email- living.the.lotus.rk-international@kosei-kai.or.jp भेजें।

रिश्शो कोसेई काई

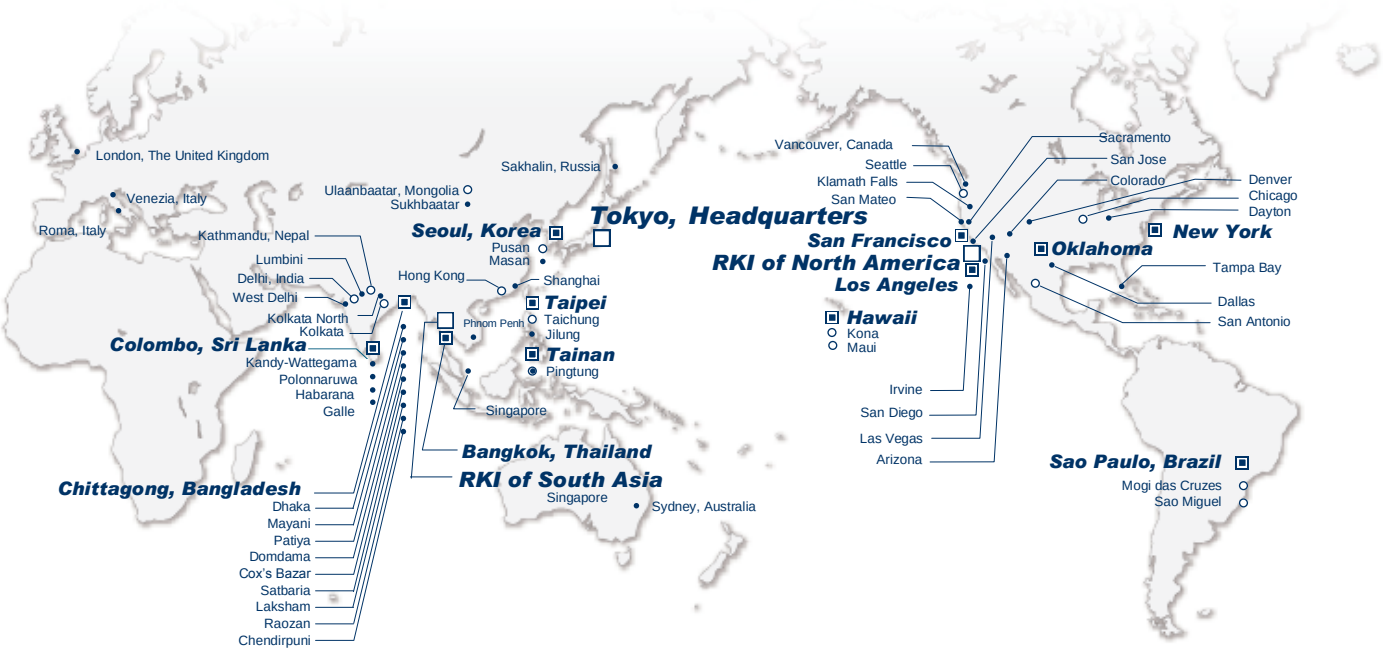

Rissho Kosei-kai Overseas Dharma Centers 2015

Rissho Kosei-kai International
5F Fumon Hall, 2-6-1 Wada, Suginami-ku, Tokyo, Japan
Tel: 81-3-5341-1124 *Fax:* 81-3-5341-1224

Rissho Kosei-kai International of North America (RKINA)
2707 East First Street Suite #1 Los Angeles
CA 90033 U.S.A
Tel: 1-323-262-4430 *Fax:* 1-323-262-4437
e-mail: info@rkina.org http://www.rkina.org

Branch under RKINA

Rissho Kosei-kai of Tampa Bay
2470 Nursery Rd.Clearwater, FL 33764, USA
Tel: (727) 560-2927
e-mail: rktampabay@yahoo.com
http://www.buddhismtampabay.org/

Rissho Kosei-kai International of South Asia (RKISA)
201 Soi 15/1, Praram 9 Road, Bangkapi, Huaykhwang
Bangkok 10310, Thailand
Tel: 66-2-716-8141 *Fax*: 66-2-716-8218
e-mail: thairissho@csloxinfo.com

Rissho Kosei-kai Buddhist Church of Hawaii
2280 Auhuhu Street, Pearl City, HI 96782, U.S.A.
Tel: 1-808-455-3212 *Fax:* 1-808-455-4633
e-mail: info@rkhawaii.org http://www.rkhawaii.org

Rissho Kosei-kai Maui Dharma Center
1817 Nani Street, Wailuku, HI 96793, U.S.A.
Tel: 1-808-242-6175 *Fax:* 1-808-244-4625

Rissho Kosei-kai Kona Dharma Center
73-4592 Mamalahoa Highway, Kailua-Kona, HI 96740, U.S.A.
Tel: 1-808-325-0015 *Fax:* 1-808-333-5537

Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Los Angeles
2707 East First Street, Los Angeles, CA 90033, U.S.A.
Tel: 1-323-269-4741 *Fax:* 1-323-269-4567
e-mail: rk-la@sbcglobal.net http://www.rkina.org/losangeles.html

Rissho Kosei-kai Buddhist Center of San Antonio
6083 Babcock Road, San Antonio, TX 78240, U.S.A.
Tel: 1-210-561-7991 *Fax:* 1-210-696-7745
e-mail: dharmasanantonio@gmail.com
http://www.rkina.org/sanantonio.html

Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Arizona

Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Colorado

Rissho Kosei-kai Buddhist Center of San Diego

Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Las Vegas

Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Dallas

Rissho Kosei-kai of San Francisco
1031 Valencia Way, Pacifica, CA 94044, U.S.A.
Tel: 1-650-359-6951 *Fax:* 1-650-359-6437
e-mail: info@rksf.org http://www.rksf.org

Rissho Kosei-kai of Seattle's Buddhist Learning Center
28621 Pacific Highway South, Federal Way, WA 98003, U.S.A.
Tel: 1-253-945-0024 *Fax:* 1-253-945-0261
e-mail: rkseattle@juno.com
http:// www.buddhistLearningCenter.com

Rissho Kosei-kai of Sacramento

Rissho Kosei-kai of San Jose

Rissho Kosei-kai of Vancouver

Rissho Kosei-kai of New York
320 East 39th Street, New York, NY 10016, U.S.A.
Tel: 1-212-867-5677 *Fax:* 1-212-697-6499
e-mail: rkny39@gmail.com http://rk-ny.org/

Rissho Kosei-kai of Chicago
1 West Euclid Ave., Mt. Prospect, IL 60056, U.S.A.
Tel : 1-773-842-5654
e-mail: murakami4838@aol.com
http://home.earthlink.net/~rkchi/

Rissho Kosei-kai Dharma Center of Fort Myers

Rissho Kosei-kai Dharma Center of Oklahoma
2745 N.W. 40th Street, Oklahoma City, OK 73112, U.S.A.
Tel & Fax: 1-405-943-5030
e-mail: ok.risshokoseikai@gmail.com http://www.rkok-dharmacenter.org

Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Klamath Falls
1660 Portland St. Klamath Falls, OR 97601, U.S.A.

Rissho Kosei-kai, Dharma Center of Denver
1571 Race Street, Denver, Colorado 80206, U.S.A.
Tel: 1-303-810-3638

Rissho Kosei-kai Dharma Center of Dayton
635 Kling Dr, Dayton, OH 45419, U.S.A.
http://www.rkina-dayton.com/

Risho Kossei-kai do Brasil
Rua Dr. José Estefno 40, Vila Mariana, São Paulo-SP,
CEP 04116-060, Brasil
Tel: 55-11-5549-4446 / 55-11-5573-8377
Fax: 55-11-5549-4304
e-mail: risho@terra.com.br http://www.rkk.org.br

Risho Kossei-kai de Mogi das Cruzes
Av. Ipiranga 1575-Ap 1, Mogi das Cruzes-SP,
CEP 08730-000, Brasil
Tel: 55-11-5549-4446/55-11-5573-8377

Rissho Kosei-kai of Taipei
4F, No. 10 Hengyang Road, Jhongjheng District, Taipei City 100, Taiwan
Tel: 886-2-2381-1632 *Fax:* 886-2-2331-3433
http://kosei-kai.blogspot.com/

Rissho Kosei-kai of Taichung
No. 19, Lane 260, Dongying 15th St., East Dist.,
Taichung City 401, Taiwan
Tel: 886-4-2215-4832/886-4-2215-4937 *Fax:* 886-4-2215-0647

Rissho Kosei-kai of Tainan
No. 45, Chongming 23rd Street, East District, Tainan City 701, Taiwan
Tel: 886-6-289-1478 *Fax:* 886-6-289-1488

Rissho Kosei-kai of Pingtung

Korean Rissho Kosei-kai
423, Han-nam-dong, Young-San-ku, Seoul, 140210, Republic of Korea
Tel: 82-2-796-5571 *Fax:* 82-2-796-1696
e-mail: krkk1125@hotmail.com

Korean Rissho Kosei-kai of Pusan
1258-13, Dae-Hyun-2-dong, Nam-ku, Kwang-yok-shi, Pusan, 608816,
Republic of Korea
Tel: 82-51-643-5571 *Fax:* 82-51-643-5572

Branches under the Headquarters

Rissho Kosei-kai of Hong Kong
Flat D, 5/F, Kiu Hing Mansion, 14 King's Road,
North Point, Hong Kong,
Special Administrative Region of the People's Republic of China
Tel & Fax: 852-2-369-1836

Rissho Kosei-kai of Ulaanbaatar
15f Express tower, Enkh taiwnii urgun chuluu, 1st khoroo, Chingeltei district, Ulaanbaatar, Mongolia
Tel: 976-70006960
e-mail: rkkmongolia@yahoo.co.jp

Rissho Kosei-kai of Sakhalin
4 Gruzinski Alley, Yuzhno-Sakhalinsk
693005, Russian Federation
Tel & Fax: 7-4242-77-05-14

Rissho Kosei-kai of Roma
Via Torino, 29-00184 Roma, Italia
Tel & Fax : 39-06-48913949
e-mail: roma@rk-euro.org

Rissho Kosei-kai of the UK

Rissho Kosei-kai of Venezia
Castello-2229 30122-Venezia Ve Italy

Rissho Kosei-kai of Paris
86 AV Jean Jaures 93500 Tentin Paris, France

Rissho Kosei-kai of Sydney

International Buddhist Congregation (IBC)
5F Fumon Hall, 2-6-1 Wada, Suginami-ku, Tokyo, Japan
Tel: 81-3-5341-1230 *Fax:* 81-3-5341-1224
e-mail: ibcrk@kosei-kai.or.jp http://www.ibc-rk.org/

Rissho Kosei-kai of South Asia Division
5F Fumon Hall, 2-6-1 Wada, Suginami, Tokyo, 166-8537, Japan
Tel: 81-3-5341-1124 *Fax:* 81-3-5341-1224

Thai Rissho Friendship Foundation
201 Soi 15/1, Praram 9 Road, Bangkapi, Huaykhwang
Bangkok 10310, Thailand
Tel: 66-2-716-8141 *Fax:* 66-2-716-8218
e-mail: info.thairissho@gmail.com

Rissho Kosei-kai of Bangladesh
85/A Chanmari Road, Lalkhan Bazar, Chittagong, Bangladesh
Tel & Fax: 880-31-626575

Rissho Kosei-kai of Dhaka
House No.467, Road No-8 (East), D.O.H.S Baridhara,
Dhaka Cant.-1206, Bangladesh
Tel: 880-2-8413855

Rissho Kosei-kai of Mayani
Maitree Sangha, Mayani Bazar, Mayani Barua Para, Mirsarai,
Chittagong, Bangladesh

Rissho Kosei-kai of Patiya
Patiya, sadar, Patiya, Chittagong, Bangladesh

Rissho Kosei-kai of Domdama
Domdama, Mirsarai, Chittagong, Bangladesh

Rissho Kosei-kai of Cox's Bazar
Ume Burmese Market, Main Road Teck Para, Cox'sbazar, Bangladesh

Rissho Kosei-kai of Satbaria
Satbaria, Hajirpara, Chandanish, Chittagong, Bangladesh

Rissho Kosei-kai of Laksham
Dupchar (West Para), Bhora Jatgat pur, Laksham, Comilla,
Bangladesh

Rissho Kosei-kai of Raozan
West Raozan, Ramjan Ali Hat, Raozan, Chittagong, Bangladesh

Rissho Kosei-kai of Chendirpuni
Chendirpuni, Adhunagor, Lohagara, Chittagong, Bangladesh

Rissho Kosei-kai Dhamma Foundation, Sri Lanka
382/17, N.A.S. Silva Mawatha, Pepiliyana, Boralesgamuwa, Sri Lanka
Tel & Fax: 94-11-2826367

Rissho Kosei-kai of Polonnaruwa

Rissho Kosei-kai of Habarana
151, Damulla Road, Habarana, Sri Lanka

Rissho Kosei-kai of Galle

Rissho Kosei-kai of Kandy

Branches under the South Asia Division

Delhi Dharma Center

Rissho Kosei-kai of West Delhi
66D, Sector-6, DDA-Flats, Dwarka
New Delhi 110075, India

Rissho Kosei-kai of Kolkata
E-243 B. P. Township, P. O. Panchasayar,
Kolkata 700094, India

Rissho Kosei-kai of Kolkata North
AE/D/12 Arjunpur East, Teghoria, Kolkata 700059,
West Bengal, India

Rissho Kosei-kai of Kathmandu
Ward No. 3, Jhamsilhel, Sancepa-1, Lalitpur,
Kathmandu, Nepal
Tel: 977-1-552-9464 *Fax:* 977-1-553-9832
e-mail: nrkk@wlink.com.np

Rissho Kosei-kai of Lumbini
Shantiban, Lumbini, Nepal

Rissho Kosei-kai of Singapore

Rissho Kosei-kai of Phnom Penh
#201E2, St 128, Sangkat Mittapheap, Khan 7 Makara,
Phnom Penh, Cambodia

Other Groups

Rissho Kosei-kai Friends in Shanghai